झारखंड की नदियों के कछार में की जाएगी हीरे की खोज, केंद्र की मिली मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

18 नवंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के राँची और पलामू प्रमंडलीय ज़िलों की कई नदियों के कछार में हीरा खोजा जायेगा। केंद्र सरकार के खान मंत्रालय ने इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने 2019 में यह परियोजना तैयार की है। इसके लिये मुगल शासन के 'जहाँगीरनामा' से लेकर 1917 तक दर्जनों विश्व प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकों में झारखंड के 'डायमंड रिवर' का नक्शा और अन्य जानकारियों को आधार बनाया गया है।
- फ्रांसिसी यात्री जेबी ट्रेवरनियर के भारत यात्रा वृतांत पुस्तक में जारी नक्शा छोटानागपुर में डायमंड रिवर के पास भी खोजबीन होगी। इसके लिये राँची, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार समेत कई ज़िलों के नदी विशेषकर कोयल, शंख नदी का सर्वेक्षण किया जाएगा।
- नदी के किनारे जहाँ ज़मीन से कीड़ा, मुसा, दीमक पाये जाते हैं, उन स्थानों को इसमें शामिल किया गया है। साथ ही प्रदेश में जहाँ-जहाँ अन्य खनिज बड़े पैमाने में निकाले जा रहे हैं, वहाँ भी सर्वेक्षण किया जाएगा।
- जहाँगीरनामा के अनुवादक मुंशी देवी प्रसाद व दूसरे अनुवादक ब्रजरत्नदास ने बताया कि राँची की शंख नदी के किनारे छोटे-बड़े दोनों तरह के हीरे पाये जाते हैं। 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' के अनुवादक डॉ. मथुरालाल शर्मा ने भी इसकी पुष्टि की है।
- एच कुपलेन ने बंगाल डिस्ट्रिक्ट गजेटियर मानभूम में नागवंशियों के क्षेत्राधिकार में हीरा होने की बात लिखी है। जबकि, बिहार डिस्ट्रिक्ट गजेटियर राँची में एमजी हैलेट ने राँची की शंख नदी के कछार में हीरा होने का उल्लेख किया है।
- इसी तरह प्रो. जोन डाउसन ने पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ इंडिया एज टोल्ड बॉय इट्स ऑन हिस्टोरियन' में झारखंड की शंख नदी के किनारे छोटे-बड़े दोनों प्रकार के हीरे पाये जाने का ज़िक्र किया है।
- इसके अलावा कर्नल डाल्टन की पुस्तक 'इथनोलॉजी ऑफ बंगाल', जेबी ट्रेविनियर की पुस्तक 'ट्राइबल्स इन इंडिया', सीएफ जॉर्ज की पुस्तक 'वाट ए डिक्शनरी ऑफ द इकोनॉमिक प्रोडक्ट ऑफ इंडिया', वी बाल की पुस्तक 'द डायमंडस, कोल एंड गोल्ड ऑफ इंडिया' आदि में भी इस तरह के ज़िक्र हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/diamonds-will-be-discovered-in-the-river-beds-of-jharkhand